

DPN 6122

Title : म्येसफू (गीत संग्रह) MYE SAPHŪ (GĪTA SAṆḌRAHA)

Run. No. 6813

Cat. No.

Micro. No.

Subject गीत Song

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt.- New. / Maith. / New. / New.- Nep. /

Size in cms. 20 x 7.5

Folios 47

Lines (in a page) 7

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator *Swradās and*

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS *Vidyāpati etc.*

Ruler / place

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thyaśaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

सूरदास प्रभु दिन दया निधि, चरन हूँ कियली जाड ॥

भक्तय विधापति तेज भय लाजे, आगि दा धल पुन आशिष्व काजे ॥

A vertical strip of aged parchment, likely a book cover or endpaper, featuring a decorative border of stylized, interlocking scrollwork or knotwork in dark ink. The design is intricate and continuous, running vertically along the length of the strip. The parchment itself is light brown and shows signs of wear and discoloration.

संग ॥ १८ ॥ खानयानयनवनस ओवनगथासवविय डेसयन
छियसंगनरुं कावरुयरुयहिनि ॥ १९ ॥ कमडा न्यासवदुगस
न्या वाश्या अय अयाव यिवनकाद्रुगवकवा कमडननेदि
दिमात्र ॥ २० ॥ खगयष्टु निनयनिगवा मयसाधिसव थात्रु उल
थलडीवडीनकिन कद्रुकाहावा अयन ॥ २१ ॥ काजानिकवा
वमा उदिविधीकूवधिकिमिय रुनिसाहिनुविष्णविकनि सूखवारु
उरुयुनिय ॥ २१ ॥ वदयूनाष्टसूमनिसव सूवननसवहिजाय

महाभारुविषयिरुथा कारुनसूमभांगहि ॥ २२ ॥ यदुयूननयावन
सदा अय्यालनकनाग वनम कयालदयानिधि डिवनऊकिहा
न ॥ २३ ॥ डयययूडीवलागनहि गव काकहियसंयणयुवाव
कूअहि अंगनरुनिरुऊ कागं ॥ २४ ॥ सूवगमात्र ॥ २५ ॥ नाम ॥
कवित्रमालाधामिमनमुखि कठुक हाव अयाव यगिवनअ
वदेष्वदुदुविलसंसात्र ॥ कवित्रनसथियमनसथियम
नूविवात्रनिरात्राष्टिकाधिकवियमिय कूवयिथासंसात्र ॥ २६ ॥

[illegible]

उ लागलिह अईन इअन थहाँ कूँ भ था ऊऊ वय वक वयूर
 गल्लसाँ न निऊन व विमथा ॥ सू व दासयुरु रुका डाहि यक शुद
 लनिमाथा ॥ ३॥ वि वाय व ॥ ४॥ नाहि नाऊ गय ल क गि सू नू स वाण
 सडानि ॥ आय न जान अऊ ऊ का न जान न नहि ऊनि ॥ ५॥ ऊ व र
 मयनिक ट ऊग लागि य रुगि ला रुग न कि स वि वि स वि डालि नि व ख कि म ख
 सा रु ॥ ६॥ व य न ल डि व व रु गि क व रु सा था डि य था रि न य न रु न
 वि या व य व गि द ख र व वि वा रि ॥ ७॥ ए हि वि वि व व ल व वि न्द य सा दा न

नरुव सुनदाससूखकवासिकाद्यवनिश्रावय ॥५॥३६॥ आसाववि
॥वाख॥माधवनादिनादिहिदुभावाकैभमयदवसनयाडगिना
॥५॥ब्रह्मज्ञानविनब्रह्मगत्वविनदुदयासुदुनहायि॥नक
ब्रह्मसकलघटयायइगियाअउवनकायि॥॥नकेनककरुसिरु
यइडियनकिनकिंकारुडायि॥यनकिनकिंकारुडुननयधविस
धसदावगायि॥२॥गवेरुलरुयत्वववासहयनत्वयंगतियानि॥
काथाडगयनियलयकनकिरुयकाभयकनिसमानि॥३॥यइगिस

मानियनमयब्रह्ममयसाधन्यावनआया॥गमयीकसंगलालक
संगविकुटिदधनवाया॥४॥नवदुनाथनवदुगभवयनवदुगालव
जावय॥यनमयब्रह्मसवहिन्यावाअननगतिनदिश्रावय॥५॥
यालिलाअवगावनरुगिजीवकारुनिसनवन॥अन्येधन्येकदु
खवनीनयवनरुजीवनवकसवयवन॥६॥कारुनवकदुयकारुसन
गुदुयकदुकवनकिदुदखा॥जादिनरुसययानाकिदुजागिन
किदुदुयखा॥७॥ययिकामययगुठिकाकटयकाअवगदुयया

५
ना॥ वलि वृथ वदन खडि ना वाम कृष्ण अवगावा ॥ ६ ॥ किङ्कि अवगाव का
ल कहति रुय किङ्कि अवगाव दखाया ॥ वृव लहना सुय विवहा रुय
निवृत्त नव दन गाय ॥ ७ ॥ जानि गुल सा रुमाव था क न वा क वृय न
प्रखा ॥ सामय सुना न नद क ल क ल व क ल य क रुखा ॥ १० ॥ विष्णु
न ल यी व क न ल यी व क न कौ क आया ॥ वृव लहना सुय वि
वहा रुय विवध कि निरु याया ॥ ११ ॥ था था द खा क द म कि वृ हिया
क मेल नाल क न विष्णु ॥ यी न व स न ये उ नि माला माल म क र सि व ।

७
दिष्णु ॥ १२ ॥ अष्टक मल द ल ही न व रु ग ना ना हा इ म नू य नि आ यि ॥
कि क टि र्ग म न उा म नू मो रु आ वा न म न न सा यि ॥ १३ ॥ अष्टक म नू रु
व द खा मि भव न द ल म ला ॥ ना क वृ य ० नि वृ उ व नि ना मा रु न न न द को ल
ला ॥ १४ ॥ वा क वा य न वा क य ल्थ न वा क व द न वा नि ॥ वृ य व र्था
क वृ वा क ना हि उा नि हि उा नि स मा नि ॥ १५ ॥ य द रु श ग न न द व ड इ
ग ला ला य रु श ग व द न गाय ॥ जा हा र न हा या य य वा ना ना हा
ना हा उ थि था या ॥ १६ ॥ क व न द व की क व न य सा दा क व न दू ग

किङ्किजाया ॥ वननरुतासूयनिवहायडाङ्ककयनकाङ्कआ
या ॥ १७ ॥ उरुलयेव सुस्नानि रुनियवल्किविस्वाथा ॥ अन्धवे
थेक सुखवनिनयाथामिच्छाउनसगमाथा ॥ १८ ॥ उहिकोसाथ
करुगहारुगगासवकाल सुसकभाथ ॥ यस्मिन्स्नानविनूयनम
नखविनूतिगुणनदीमहाथाथ ॥ १९ ॥ सिद्धवाहिनीवाडुक सुउ
करुगुहयथालकुसध्वनवाणी ॥ सद्यरुगतिनयिदासक सुव
हयकविचारुगतिनजानि ॥ २० ॥ आथयूरगवाकटावयद्यवघन

खादिदालय ॥ अलगुर्गेडाहिनिसायिमरिसाखिकगंथालय ॥ २१ ॥
विद्यमयडनिववाककरुगुहथालक सुसकवानि ॥ सद्यरुगतिन
यिदासक सुहयकविचारुगतिनजानि ॥ २२ ॥ उरुयिष्णोयद्रुर्क
उरुवाडाउरुगनिकायायि ॥ उगगुनूनिवसुक्कवकहियमरि
साखिरुनिआयि ॥ २३ ॥ वन्यकविनवन्यवयिदासासनाभवथ
साउ ॥ गनउवधरुगयालकरुगुहयसद्यरुगतिभयथाउ ॥ २४ ॥
॥ ० ॥ रुगसमलयाडाहिकुययाददयकाथनसथायाथ ॥

रुलव॥ हलवावा २ ख सुखवनि॥ नरु विवक विमाथाथ विविगवि
॥५॥ ऊजामदिक् जानयिक् ऊजामगुयि॥ हानिकानगवम्यानिना
समगुयि॥५॥ खवरु विगवकसखवरु विथाल हानिवगु
म्यानि काहाकमगल॥५॥ अश्व गडयनिनवनन्द नामद
वक साममिन् कवे न्द॥५॥ ३६॥ लिलालाल (भाववधनेधवकि
वसिककववयिया वा अववकि॥५॥ लिलाभावकसूनरुसदुयाव
य॥ वज्रवकिन् मनहव॥ ३७॥ धवय॥५॥ लिलासकदिवसगिर

विववकवथावय॥ मरियणसयूनन्द वदनुकि॥५॥ लिलाभावक
नावदमूनिसावेद॥ वद्व ऊमायतिवलिक् वकि॥५॥ वृद्धा
सदावद्वनवावय॥ मार्गस्थनिवावानन्दइकवयकि॥५॥ ३८॥
कडावा॥५॥ श्रुतियवेनहियायक् हियाक्काटिश्रुतिन्कक्काति
कटिश्रुतियक्वकया॥५॥ ललितमगुलिमिनिदामिनिक्क
विम्विनि॥ सुन्दववदनसिन्वयगियाऊवकसिया॥५॥ वायनू
रुवगुविदुयणविविगगुग॥ सायिडियजानजाककसकिकवक

लभसूनल नयानइदखलसचय वदाकलहरुमड द्यन।
जायवे दानदयलवविरुथ ॥५॥ सुसिकय वलिरुचनिवद
लनिनियलगनिनिलाकलल वरुवलिरुआरुयगालयथवल
दानदलहरुदल ॥५॥ रुनेवसमसिसमसिगवलनाम
वरुविरुगवान थकवददरुयविसविनरुवव जावमस
वरुअवसान ॥५॥ ॥५॥ नट ॥५॥ नरावनमयनवनामिहा
अविगनअलयअरुनिमिहाअरु यसदयसयगुहाखाविल

पिसूनअऊगिसमवापि ॥ राजानकयलुगथाविठुआपि वाविवद
यधनसखआणहयवामनवनथवि ॥५॥ सननवदवाऊउथथ
यआरुनयरुविणवि ॥ ५॥ खिसनयसकलभविन्दककवहिआद
लुआहावि ॥५॥ वलरुवियजाहोजगुवदियरुनकयामनाहावि
आमावसादवदुनकिहिहिनावदलरुलुवि ॥५॥ वहिवहिवाजा
मथनहिवालयादायलगनरुयहावि ॥ अरुथयसुठवसुथमा
हिमाभगाहावथाथमसावि ॥५॥ लुककरुनसूनावनिवाजा

कुमिकादाननिवावि विद्यनहृदि आसिइउडापआसिहृदुलनम
मावि ॥५॥ का हा क ना उ ग रु गु नू जा व य आ य इ रु यि रि ध्या वि न
य ग भू वा उ व उ द क दि ना विद्यन द रु य सा वि ॥५॥ ह य रु य काल
रु थारु य मा य रु नि निय य उ रु यि सा वि अ इ य य उ द इ व वि वा जा
न उ व ना स ग रु वि ॥५॥ हे म स रु के स्य रु अ उ ग रु गु नू मा य रु
यि थि रु मा वि स न दा स य उ स व स दि द्वा या था वा उ य ना वि ॥५॥
॥५॥ वि वा व न ॥ ५ ॥ उ व न धू ना थ कि रु व स न कि रु अनू य म नू य

नयानरुविथिउ ॥५॥ गु क न न का दि क व व न स वा वि उ ग न ना थ
नि न उ न द वा ॥५॥ उ ग न थ न न द न स व रु रु का वि रु ग न व रु ल य
उ अ रु ल्या उ थ वि ॥५॥ उ य न धू न न द न रु या कि उ मा ग रु रु दा
स रु ग नि दि उ ॥५॥ १ ॥ वि वा व न ॥ ५ ॥ रु वि वि नू वा अ न रु भ नि का
यि रु ग नि थ म न स द रु य रु मा हि ॥५॥ रु वि मा ना रु वि यि ना यि
रु वि व न्ध रु यि रु वि कू ल द व दा वि का य इ ना यि ॥५॥ स क ल स र्सा
व व्या यि रु वि सा यि सा थ स र्ग नि वि नू म गु नि न रु यि ॥५॥ म न उ म

वयनयत्रलविह आसा दासनिदासगवयकृष्ण दासा ॥५॥२॥ विनाय
ल ॥५॥ रु निभय विद्यनिदमन रुाननननना ॥५॥ ययसकृयालद
यालुगुलनिधियकिरुयावनननननना ॥५॥ उखनवाखिलावेन
कालिनिधागरुदावानलयियाऊगवाखिलासिकन ॥५॥ इहविनाग
नहविऊइवायकालिमईनकृष्णकनयंगयाय ॥५॥ वाखिलुगावल
यविधविवागावयवनाकृष्णदासगवयहविऊसादानननना ॥५॥३॥
आसवयि ॥५॥ आवावयुकिवालिवाहुसानकतिलनदखिलावयव्या

नजावाअमाल ॥५॥ कथिनयिनीतिरुदाकृदिननयाविउरुयालना
थरुभअरुगिनिनावि ॥५॥ अगिअनयसकृयकामिमारुनादखि
लत्रहिनयायनमरुकानजा ना ॥५॥ गायीनमनयुरुगायिनाथ
गयालकमलनयानयुरुगरुयगियाल ॥५॥ कृष्णदासभायउ
सयसूखदागा अनूखनवाधकृष्णकनयगुलगागा ॥५॥ ४ ॥
वागवासकवि ॥५॥ धिकडिवनरुविनरुविलामारुमायादाजाल
वाधियाहवायला ॥५॥ मीयगुधनजनगुरुसूखलिला अयिउ

मथायवलयियाजायिवा॥५॥संसात्रसागत्रयकिद्रुकअमालवाल
कडवकवयुमुमदनगायाले॥५॥यविरुलरुहुवंगवयवलयुग
लरुहुमुदासगायरुविनाममङ्गल॥५॥१॥यामकवि॥५॥रुउमने
गाविन्दवयवकवूलासागलरुवियगिरुयावन॥५॥रुविगति
रुविसगिरुविसनुसात्ररुगगउभथायियरुविनामआधाय
॥५॥अजामिलगउगनिकाहीयायात्रयायिलायवमयदउवि
नामउक्राव॥५॥रुमुदासगायुयगिरुभावन्धु॥उधायउधाय

रुमुनुहिरुवसिन्धु॥५॥७॥यामकवि॥थाख॥कवरुविरुडिवाभाह
मायागडिवारुविकआनन्दअणवणसुनिथा॥५॥आवागसनकव
जानिवहिवारुवसागत्रकवजानिरुविवा॥५॥उकहरुवियायिवा
सवइःखजायिवाअरुयवयवलयनिकरुजायिवहिवा॥५॥गायरुमु
दासदासनकदासासाथसंगतिमाहिदहान्गुलीवासा॥५॥१॥सग
रुधालि॥५॥मायामनरुनायायसूनरुमुसाहासायवयवलयकमल
विगआसाहयाकवादयासायकुंरुसंसात्ररायकमलनयानइ

खनासा ॥ न न न न न रु विलिला ॥ भव ह न ॥ अ वि अ रु य क विला व ऊ वा सी
रु य या या य व न व कि ग नि रु यिल भाल लिला व य ॥ अ वि अ रु य ना सि ॥ न व
ॐ नु मन ऊ न काम ॥ ध नू गा रु आ न अ रि स य क यिला वि स्ता व रु
सू द म य ॥ य रु स व स ख दा ना ॥ ध नू रु वि य रु ना नि स्ता म ॥ ८ ॥ वा ग रु
ॐ लि ॥ उ नि ॥ रु उ मन वा म ना वा य ल काम ॥ ध ला रु मा या क यानि वा
वन ॥ ॥ कि रु य ट ग ही य रु मि ला वा ॥ ध वा ॥ नि रु ल उ न म ॥ ग वा
॥ रु व सा ग य ॥ ॥ ध नू य रु रु य नि थ वि रु स य म नि ॥ ग वि न्द वि मू ज

न ही वा अ ॥ अ ग नि ॥ ॥ ॥ अ ज मि ल दि उ छि ला व रु उ न मा या यि य
रु रु व के ला वा म ना वा य ल उ यि ॥ ॥ मी य रु व न्ध वा ॥ ध व अ य न सा
हा द व रु यि ॥ नू रु दि यो ल ॥ ग लो य व न न द थ यि ॥ ॥ रु रु
दा स ॥ य रु व मि क य रु वा य ॥ य नि रु या व न रु रु वा र वा र ग य य
॥ ॥ रु ॥ रु ॥ रु ॥ अ य यान ना थ ॥ ग या ल ॥ अ न क उ न म य
वा रु मि रु स सा य ॥ ॥ क सि ॥ ध नू क आ दि य रु ना नि स्ता व ॥ अ मि
रु न अ य वा वि स क रु रु मी व ॥ ॥ क लि इ ग रु वि ना म या रु कि

निसाव जिउगगनाथयुतुमहिमाज्जावा॥५॥रवणसवणश्री
दिउरुदुदास॥ऊनमसनायइखहोलाजुविनास॥५॥१०॥मान
॥५॥रुवगवनाक॥मनयवमज्जनन्दरुविरुउनाक॥५॥यव
महुयालयवमयवृथारुमरुगगवकुलनन्दनन्दनाक॥५॥
वविसुगुणसअधिकसंकटःखवाखिलियरुवियवनाक॥५॥
रुदुदास॥युतुसकसखदायकयगितयविणरुवियवनाक॥५॥
॥१॥वागवव॥जि॥आनवनिलक॥यवणनकल॥रुवसागवगयाव॥

उरुव॥५॥जगमयवृटमहाकथिनयदाना॥नेवीयतिसकलइखरु
वना॥५॥रुविसंकवउपासनलाय॥यविणरुदुसूनरुसनरुकाय॥५॥
रुदुदास॥युतुगहामन॥य॥नितविविचि॥विम्वु॥ककविधयि॥५॥
॥१२॥रुवि॥५॥गवृउनाजाय॥यवणवितवयडा॥कमलनयनरु
विवलिवलिउडा॥५॥जिउगगनाथदखरुसखयायडा॥ऊनमऊ
नकायायगमाडा॥५॥रुवगवनडरुव॥कयाडा॥रुदुदक
विसरुलरुविययडा॥५॥जुधवजुम॥यसादरुमयायडा॥य

कालिमथनमूत्रावि ॥ ५॥ १५ ॥ सिंधुवा ॥ जि ॥ सून्यवसाहिरु आशययानव
 धूकनकनयवर्गगयाय कलिक धूमिल आशमानावधधूवधूद ॥ ५॥
 नयानइ उयिलायानव धूला ॥ ५॥ उवालकसं ॥ ५॥ आशयवर्गनवधूकलक
 इन्दावन ॥ ५॥ जि ॥ कलिक जि आशमानावधधूलावधूविकि विधाधुवस
 नयानवधूला ॥ ५॥ नयाननयस आशयवनवधूनधनयवानधुधू ॥ ५॥
 उगगनायक आशमानावधधूलावधूकिगुनरु जिधाधुव आधू ॥ ५॥
 धाणवधूला ॥ ५॥ इधू अवगाव आशययानवधूकलिइगयागकिनि

स्त्राव ॥ इयालसागव आशमानावधधूलावधू इधू दाससं वलधुधू
 नयानवधूला ॥ ५॥ १६ ॥ ॥ ५॥ नविसूगणसदखरुधूमरावि ॥ ५॥ साख
 नथाव अवसाहिलयउ धावि ॥ ५॥ ५॥ उधूकववसूगउ खलखाविगावि ॥
 नसाहूयाभाहिकलरुमूत्रावि ॥ ५॥ ५॥ गधूगसगनउ लिइसरावि ॥ ५॥
 गवधूलयुधुसं खयक धावि ॥ ५॥ ५॥ जि ॥ गगनाथयाणुवधुधुकावि ॥ ५॥
 रुयकविलायउकसयकावि ॥ ५॥ ५॥ गयधूदास ॥ ५॥ ५॥ नधनधावि ॥ ५॥
 इधू ॥ ५॥ इयानिधनसरुयनवरुवि ॥ ५॥ १७ ॥ ५॥ ५॥ जि ॥ ५॥

वसयदलोहमनावि॥ सवनत्रायकमुदासुहुआवि॥२०॥ गग
रुधालि॥१॥ ग्रामिडखिलानन्दयूविविरुषभउरा॥ नूनउ
लणीमालाण्यमर्जु(रुसारु)॥२॥ वलिमूलचरित्रमालनि(थ
प्रथम॥ केनकेकदम्बयस्यागाहाउयत्र॥ तथाउयत्रसा
हवकुलमल्लिका॥ मिसमिमयत्रयूष्मीखण्डनायिका॥३॥
मत्रकंठथम्भुजिनीवाहववलनी॥ विनास्त्रयविधानदिनाद
काकुनि॥ कलाञ्जु(गसाहउन्नानाश्रुवण॥ अन्धप्रविइलि

जनमाथयनयन॥५॥ करुवनमालिधनकवूनासागन॥ ह
 विथथादिनिद्यालविभादनागन॥५॥१०॥ मालिनी॥ उक्ति॥ उयका
 लिङ्कउययालिक॥ कलिरुनवलिवमालि॥५॥ समवपुवजूस
 यदाविनिधनणीधनवववाविक॥ सयनवकवविनविककिंकि
 निमल्लुववाविक॥५॥ यवयउलधनध्याववृयिनी॥ मंडकाल
 विनासिनी॥ खउगमूलुधनवजूरुयववकव॥ उविनयिगव
 नवासिनी॥५॥१०॥ मालिनी॥ उक्ति॥ नमानमादविइ॥ नमायिनि

वर्तमान
वामपूजासुति याचु वरु नव वाच वधि वाचनमधिया निताक यि भाड वान
॥६॥ काटिक गनयनि वाखानिडा सुभान दिन इय निनिता हा जायि मूअनन
अ कि कू या यिय रि व्या वा रु वि स य व दे दान व स (ग वि मा खि क हा
य ॥६॥ वाद्य य रि या द वी मि रु ला वि ० या व म ला रु ल वि द वि लि द
म ला मा व य धि वि डा द वि र्क रु रु न न न्द म यि स दि या द उ स व न
न ॥६॥ स क मि रु रि या अ ह मि व लि दान न व मी न य रि या क लि य
वि ण वाम वि ड या द न मि दि न जू मा न ग म (ग न व अ सि स दि या

जा वा स न ग रु व न ॥६॥ क ल्या न ॥६॥ म य व रि वा द्य व मू च रि वि डि न
वा डी व न य न यि रु म्ब व का कू य व रु क न क म ग क या कू ॥६॥ क टि क
म लु क न का थ ल वा थ य वि रु व रु वी द दि न ग न सा (६ ॥६॥ म हा य
पू ष रु न अ मू उ आ सा य म यी नि य न य व म न न्द दा सा ॥६॥ मा व थ
॥ य न्द व वि य म वान ना रि वा द वा द्य व ना द न क य ग व न व न अ रि डि वि
क ल वे या नि ॥६॥ का रु ला नि म य सा य न वा (६ ॥६॥ क रि वा नि म य न म
क ल व ल रु म ल नी ना र्ग न रु नि अ नि मू य व रि नि अ क ल्या ॥६॥

कोनीत्याककयिअवसमिण्डकवकाहमयदहा कोसादवकरु
दुधुनेनकणुलायिकहिमरुं॥५॥उवगनेरुउववन्धककावण
कयिदलसयनयनययहय कणकयविकरु यरुकिदुन नव
नकारिकिउयहय॥५॥उम्वनउरुनकपिडियवकिनामना
खिहसासा रुनेमगगवनकिथादवनागिपि सकलरुनवधु
दासा॥५॥उववाजागमाहनजागवहवि सायिउसादादाव

खवि॥५॥उमजागकजागयसवकायि किनीलाकड शोडियाना
हायि॥५॥जागडुउगजिवनकखुम उमजागकजागयगकिगना
५॥जागडुउगजिवनउगनाथ नामदवववणयलागहाथ॥५॥
विजावव॥रात्ररुयजागडुवद्युयाप्रयलुमलिनकिनइति नाप्ररु
वववववनसूनरुमप्रयाप्र॥५॥विकसिगकमलकृणुकरिला
नवसयवसल्लयक सधयउदान ॥५॥सायकीसिल्याआयूजग
वयवदिउनसवेहावगवय॥५॥मनरावगकलवूविउउ

ललीदासका इथनिदिउ ॥ ^{अलि} ~~५५~~ ॥ गजविजय ॥ ५॥ जय रगाधरिउ वनसा
 प्र विकट रुयकै वदना वसुमसानइ गासनडयडिउ किलिरहण
 नना ॥ ~~५५~~ ॥ कि विन कउटाउइ विकट रुयकै ववाहनसकै वलना
 काकिखै यव ॥ असिमल्लिउ या विरुजा दइ गाया ॥ ~~५५~~ ॥ नलीननिल
 कवववसुन वकवनुके किनहिदागा करुकविकणवि यन्मस
 रुश्वनि ॥ ३ः खलुहमागा ॥ ~~५५~~ ॥ ~~५५~~ ॥ स विरुजुं गसननील
 कण्डव यन्तु राल सिखर विविक्कि काटि सर्व ॥ ~~५५~~ ॥ न गदियव ॥

२ वूड

रुं ५ वि म

म्वं नभायिनाक यानि केयालमालडा ॥ ^{किरुहाय ३} ~~५५~~ ॥ असीखडागधानि ॥ ~~५५~~ ॥
 यलं रुविनेहाव छुी भविषहावि कामकाय दन वैव न्हि यव अन
 कावि ॥ ~~५५~~ ॥ निरुहायानाथ निनिमाक दानि रंग भवै राव थियै लं सी
 लयानि ॥ ~~५५~~ ॥ ~~५५~~ ॥ जयमरुलार हा रुयसनद विइउनिहवला ॥ ~~५५~~ ॥
 ॥ सवैकटवमदेया सुवअ किवलि वसुलायन रुयकावि वलुमेलु
 वक रुविजयमागा सुमनिमसंहावि ॥ ~~५५~~ ॥ ॥ अं हि सुवनवदति
 अरुयवव रं संहि अ सुवगलमावि रं संहि आसयवहडाग

मंड

शिवरुन दानि १ रुनति

मा

विद्युत्तनैष सयनसीहावि ॥ ५५ ॥ अञ्जलिमठकयञ्जनवरिन्कयसननस
सिद्धियायय सर्वकार्यसिद्धिहादुगुसावनिविद्यायणिकविगभवय ॥
५६ ॥ कदासा ॥ लङ्कणीनाकवनरुवि ॥ अययणीगहाकिमथहीनअग
नऊयगखलि ॥ ५७ ॥ मां किमपिदखिनचूनदनसुनिभऊयनि ॥ ५८ ॥ एहव
वियावेविनिरुयिरुमकरुं कञ्चनमिवगयनि ॥ ५९ ॥ किहविप्रयुगथा
लंकाकावावनकिवनसिद्धयनि ॥ ६० ॥ तुलगीदायुरुदुक्कापदयण
कवनरुगुवियनियनि ॥ ६१ ॥ ॥ ॥ ॥ अथमप्रयानयिमिजानकि

कवनगथालयगुयि ॥ कवनरुहियनरुयकमयव ॥ यडिसयवायन
जानाकवनरुविमालिवियनिरुगवनिहान ॥ ६२ ॥ यिहानरुदमाहकि
ऊवयवरुगुकनकिदिधि ॥ अङ्गुडाखालियनवऊवदिङ्किजा
नकिविधि ॥ ६३ ॥ इमानयनविलायिक यथवेविमवूकाय
मलिरुवडैमरुलिकिसिधवेययकगहि ॥ ६४ ॥ यथाद्रववे
वनवरुयजाहाकाहाययियरुवतुलसिदासमनगरुवयसुव
दवनकदव ॥ ६५ ॥ ॥ ॥ ॥ अथमविनाकनम

आवय ॥ ५ ॥ कालयजायसंदसलसुहविहिसूनावय ॥ ५ ॥ जादिनअन
 वहाययउत्र सादिनदिनकनलखा अफियववतभाकसलिलवि
 यरुय यिद्रनयनविनूयख ॥ ५ ॥ नाव ॥ हसहिआहविअआया
 उद्रवाद्यवक्रियावि कयिकहिथाउद्रयाननाथभ ॥ अवाधकाहा
 ५ ५ गणिभापि ॥ ५ ॥ सुमिन्नयिनिडीवूनवहा अवाधदहिथावय ॥
 ५ नकयवजानिवहाहयि अमवलयसख ॥ ५ ॥ वाग ॥ ५ ॥
 ॥ नकविनम्वलिजावसाहायिसूदनी अत्र ॥ २ ॥ सुमयिमायिसाहा ॥
 ना

वति क

साहित्यप्रवृत्तानां ॥ मन्त्रकर्मदमालिमांसा ॥ मानिकदिरुतिगन्धवत्काजा ।
वड्डागजानुक्ति ॥ वड्डागजपूजा वड्डागजामना आडननइजा ॥ यनव
युनविनडाडिमा ॥ ज्वरसुखानिनापियासा कना ॥ नामकाहसयवनिवनि
वय ॥ गयवर्ककुवड्डागजनिनकिजवय ॥ गवनी ॥ प्र ॥ सामनामनभाहून
मायि ॥ दष्टसखिवनतवड्डागज ॥ सुंदननन्दकुमानककायि ॥ भाववर्क
सितसुकुणविनाजय ॥ मृषमूननिसूनसवदभाहूयी ॥ कन्दललालकथाव
नकि कवि ॥ सधुतिहिवातनिवनानिनजायि ॥ कथितकस्तस्वसवदनपन

सधुवनकिमालवनभायि ॥ मन्द २ मृगकातमभाहून ॥ दामिनिइति २ दतदखा
यि ॥ लावनललितलिलातमुक्तिपन ॥ ताकेतिलककिशखवनायी ॥ मानास
नजादडनीयि ॥ ज्वरकवन ॥ उमगिचनि ॥ जति सुन्दरतायी ॥ साहित्यसूत्रनिक
ननासायुत ॥ ज्वरनज्वरपमकिज्वरनायि ॥ मानासुकसूत्रगविलाकि
विम्वपन ॥ चाषनकातल ॥ वायचलायि ॥ ४ ॥

नामकवि ॥ यत्किमान् ॥ कश्चिन्नथदया विनामयगारि मायाकुमारी कुरुवन
भारि ॥ कनगानेधनगा वाभनेयौनकाइकयगप्रभु धनकन्दरात्र ॥ कुमन
कुजानि सवययनिवक्ष गाहनामसावा आउनसवमीथा ॥ करुयकवि
न वन्दवउववाया सितादविपति नाद्यवनाया ॥ ॥ असाकवि ॥ ॥ साधव
संगतिमननकुमानि जगजिवनकृष्णमूनानि ॥ कुममुखलालगुलालवद
प्रभुज, कुमवण्णरुसकिला विवतयु नदाननसर्जमृग संगतिरुयकुम
किला ॥ कुमवन्दनरुसर्जप्रदनामके निकेतकुमानिवासा निववनिख
ना

गउवरुयिदय वासनिवाससुवासा ॥ डाकाजार्तिकनमयुक्ता डाकाज
नमदुमासा नासनाय केसनन आय कहेनविदासवमाना ॥ ॥
तिरुनागेनकादियामानवधुनकादिया ॥ मनभमनियथाकानादखियातान ॥
अमिराविमुमान कुमिरावरिनी लाजकुलगयनडिला मयितिनि सवञ्ज
कुसुमाग्रानरुदिवादिदूचनलेनेनहोयालागीया ॥ अकिरू ॥ कुमा
विनतिलानुकरहितनानिद्यन निववधिपानखानि कुमानानि सुभ
प्रदखसहिमेनानिनाथकिदुनथा प्रमविकुदलागिर्जतननाजवध ॥

५ दिनखिगाय कहना जा डी नदिया, रुनमनकनदखिनयानरु विया, उमावि
नूजगकिक्कु सुवलै धंधाला ग, इगि २ प्रमखा नि कि ल गिया ग ॥
वम्या नरु न सुवननरि यया उमि काला ज न मन, न ज निया जमि उमि
काल द हारु न ॥ पावु नि २ वम्या प्रमन स श सिन्दु, मध्य न उवन कत उवा
वन थिन्दु ॥ खन २ विग सिग खन २ कलि दिन का स मा रुन वा न का कि य म
निया २ य नि रु नि ॥ ४ वि स ॥ ज ॥ न ज नि जा निया ज व सान, ध नि न
ना कन कन वि दाय मा ग कान ॥ ज न व वि दिया ता न ग म व ज नि

५ न वदन वा रिया कत कनि या चूवन ॥ कन उ नि द स रा धा ज
यि का नि ज वा स, ना धा ज ज मा न मन ज्ञापना ना या स ॥ यि नि मि
न ग न इ ० सु गु य न ध न, ना धि न न या नि ज दि ज न ज न ज न ॥
क रि न न या नि ना धा रु न मन वा ॥ वा नि य रु न दि न का रु
यि न य न वा ॥ ४ ॥ न ॥ प्रमन ला क द थिया ला ॥ ग द न
प्र न क दि व स ग कु ल न ग न, ना वि रु ज्ञापन य न ॥ द द य ता

कथनम्बता गुका ववनर्जम्भगवानि, तत्रश्चन्त्रियिगक
कातिया डवनक्षत्रवानि ॥ लाजजनवादकुलडयविला,
वनकयिला यत्रैकाकुलामितावनवृत्तीला, धानिलाका
नाम्भतत्र ॥ प्रषनकात्रिकिकलीकागसाय, अवनकनसवल,
मायिलानाविद्धिकुठिनयूरस, जागिविनिगिलारुल ॥ नाकश
मनतइषकलावगि, सिनिश्नाथसान, कनिवसिद्धीननसिंहकुयनि
जइयगिसमधान ॥ ४॥ कदासा ॥ जानि जा न्यात्रियामयननरुथन

रुसंसात्रनामनसननवाहियिडा, प्रहर्जम्भतसानत्र, काँवमनि
कज्जगसर्जननवइतिहायियरुंगत्र, सायाकियनगिगिकयिसि
दिवसवात्रिकर्तगत्र ॥ कवरुगिनिथिनवनत, किक्का, वेदहन
वनकानत्र, कदा नाथकुवाकनडुरु, माहिशगिनहिज्ञानत्र ॥
कहतत्रयनशानवैसअपलडियजानित्र, प्रहर्जम्भतकात्र
लमनुरीडुरुकुलेकि कानित्र ॥ नात्र ॥ तनसन्धनसन्धनागतत्र,
अनलहिअवलवनमत्र ॥ जाहानजाडगा लमनला ॥ कुलरुके

पठ्यासगुनभः॥मनसावाकाकलमनाजानि, सवयनिकुलभाभनामनि
सानि॥साधवताककद्विमाया, तनुकुतजवहनि केदया॥ ॥सावनि॥य॥
नामविमूषसूषकागहनपाय, चनकाविसानमनवनरक्षाय॥कामधेनु
नडिअजवदलाय, स्वामिविसानिजलविगलवय॥रुनिवनिरुनिज
अनविगकन, सिंहवयिनिरुस्मानयकधन॥यस्यियाससूनसनिनहिद
खे, ज्ययदनिनदङ्गकनिदखे॥साधवदासग्रासगवलगिवस, अवलशि
नाहिकृष्ककथानस॥३॥साधवता॥लाकाउमजाकरुतिरुवनन्दकन
न्दन, नन्दकरुवधकाक, धनगिअकामपुकवनहिदात, नवधन

न्दकालाका॥लाका, जानिनजाथाकस्तनयाथा, नामनिनअनका
का, रुगतिरुकयजागुरुअवय, रागवधावपूनाका॥लाका
लासिनकाजिवजगुदयगुमग२, नन्दथाकोदासकविनकाअ
००साथाकन, धुसविनायुगुकाका॥३॥धनाशा॥ज॥आखियानदि
विपाकयकगानि, विकुनगरियेनकथिनजियरुड, सुविद्विषिवयि
रुगानि॥अवअरुचिनेवकिरुवनसूदि, रुथाविनरुकिरुसि, अवला
गिसगगइवपावन, भावननयनिविहानि॥रुनरासपुगुठमनदेनसकी
रुसधककुवनजानि॥

१५ नाशी ॥ उ० ॥ अरुम अतिर्विनि उमरि शसनरि सुम अतिर्विनि ॥ यातिनिक वृषि कदि
यात धुवि, गरुमायिजनमातन कावि ॥ स्मर गकनवन कुंकुमकावि, गुङ्गमानउन
वितन काकावि ॥ श्रुयनिनषिदिगन नरु रुशानि, वितन उथा नाय विज्ञा मून रिहा
नि ॥ स्मरस्याम कदिह न न क० थावि, नरु उयदस सुनावन डीनि ॥ १५ नाशी ॥
उ० ॥ अरुम रुनि कन के वासि, नरु निन गुन उम नादि सुनाव, आमुनि या
वस काणि ॥ मून विधनन स कन र्जंग सन्यन, नूय सिन्धु कि रासि, डीजा
ग उम नयदि नरु रुड, वृज वासिनि का हासि ॥ नाज कुमानि नवदि रु

मजाव्या, ग्रिहि श्रुति कृत्वा अस्मि दासि, स्रनदास प्रपु कृत्वा हिल जा वग
 क्षात्रव्रतमरुदासि ॥ १०० ॥ गान्दि ॥ गान्दिमादि लागिन कृत्वा, अस्मिना स्नान कृ
 तं ॥ कारा पायकं यथ उड, प्रमक गान्दिन कृत्वा ॥ कावयान कि अग, ठव
 नाम नाम विन लाग ॥ कर्तु नाम मृमरा वेम, अस्मि स्वने मिलन ध्य लाग ॥ ४
 गान्दि ॥ रुद्र रुद्र नयन नयन नयन कृत्वा, सा अस्मि कं वेन नयन नयन कृत्वा, वेद कि नव
 स्मृति नयन अस्मि गत, विन्युन सिध कं वया वेद ॥ काया विद्या नि वेद ग्रिदि लभा
 गान्दिन हिम कं नयन कृत्वा, अस्मि मान गयन गयन गयन, सा मान गयन गयन कृत्वा ॥

अत्रि॥ नामकि ज्ञानमिमानमनराध नगन दानिका नाथ गुरु करुनाम॥ अत्रिदिवा व
 नमाथ ववरधन इतिरुनिक न्यन वासुदवा॥ वक्रवक्रादिके सुकसनकादिके ना
 नदम्निताला नृत्यकने करुनाम॥ अनवरुजयन ननरुकुमिति वन नामकथा
 कूनवासुदवा॥ **नागधनाष्टी॥** वाय॥ मयरुनिगुन गावकयनकुटिलमनक
 ससम्पुजव॥ नामकवनरुगाति॥ धदविदिता अरुगति अरुनासि अजुन
 अमन अंगनिर्गति वासि॥ मनयर्गनयना करुमकनासि नट अय
 प्रकपिदिनवावव॥ नरुनिकनमधनमअधिकनि मय अनाथ गतिसनन
 उमाति॥ नाम॥

धनाष्टी॥ प्रमनमनरुमिलयकुलानि वातनपातथरुनरुगदिना नावनधनिया
 नादि॥ अरुजुननरुमधुयवनगा नविगणिउदथानादि सुननमनुनिअन
 तिथिवससंगम रुनिमरुगनमगनादि॥ धदकिगवर्जिनरुमरुदा सनप्रन
 नकगारुनादि आगशगनरुजातिवनगारु पायपूव्यनमिलारु॥ ननन
 रिमननरुवक्रषणुगारु निरुटिसंगमनादि अरुसवजानिसरुअरु
 रुवला वावनिहागानादि **॥** **॥** रुश नमनरुवियनगा रुंति
 कवनगतिनामविना॥ कतिगिनीथिगुमिअवन सारुनिविनुमरुतिनवा

वे ॥ सा नू समा ॥ कायिन अय नू रुनि सा ॥ गइष दानि दुज ॥ स्वाभयिय नू जनि
लाव रु रुने वृष्टि दख रु न न जिवन ॥ ॥ ध्रुवा क धर रु न दिना इयि वा नि
वृष्टि काम द व क न रु वि वा वि ॥ ॥ धन ॥ रु नि वि नू इ व नि स व नि ॥ ध ॥ न
न व य वि न रु क म ल द ल ल व न न रु ज्ञा य मा ॥ ॥ वि न व न य ॥ ध
य ना ॥ धा ॥ ध क व मा रु न रु रु ज्ञा य ॥ द द य रु ल ला व न ॥ अ न सि व व
॥ रु वि वि वि दि व स ग मा ॥ ॥ ॥ रु म लान वि न न य ॥ न ॥ य नि म न
॥ अ न ल व ॥ रु न वि रु न सि ग मा वि न रु नि वि रु न इ य या ॥ ॥
॥ क रु ल न य न ॥ क रु स य न य न रु व ॥ ना रु जि य नि वि वा नि क न न ज ग न

॥ धा व गि मि ल ॥ उ म वि पान वि या नि ॥ ॥ नाम क नि ॥ रु वि वि स्या म क
॥ रु ध जा य ॥ य न वि य न नि वि न नि क न नि रु व ॥ स्या म न द रु म नान ॥ अ न
॥ मा रु कि न रु न य ॥ सा उ म द रु व ना य ॥ ॥ रु न रु व न रु यि म न यी ग म रु
॥ द व न स ग रा य ॥ व रु कि जा नि रु नि नि य रु नि ॥ सा मा रु नि स रु नि
॥ ग यि ॥ रु जा दि न क म न वि रु नि ॥ सा यि न न रु नि वि रु न ॥ ॥ सूर ना स
॥ वा नि क रु ॥ ग मा यि ॥ पि उ रु क न न वि रु न ॥ ॥ ॥ वा दि रु नि न म ग आ सि
॥ ना यि ॥ ना रु नि रु नि न रु नि क रु स वा ॥ म रु व न व सा न जा यि ॥ ॥ ॥ रा ग व न

सूननहि श्रवनक वरुणिकश्चिडपजायि सादनक्षानकनरुनिदासनकै क
वरुन(धन)पा ॥ निर्यानहि कवरुगिनिवनधन विमनिश्चस गायि
धमसुहि तयग वांविद्युष्ट र सुकै नर्गन वायि ॥ मन्त्राजनमवायिन
नयानि किथानककडवायि रगतगदि श्रानकिनायि तनकाश्चकैयन
उमग काकाकरी करुनामन वागेवरुनवनायि रवसागनकद्वैवजन
उका लरुलरुवधायि ॥ ॥ काननागा ॥ ॥ रुजनसाधायुजातिनसाधाय
अधमायननियननजाहनिकि कगियायकृतकिनुमरुमाया ॥ एकविनावि
इगइनजाधन अननाजा अनवासिक सुन गजिनाजअनययामुन स्वायसा

गविइनजनकरिग ॥ किझाजझविद्युष्टयकूमिलि नवन कासंनव द्य ॥ न
अल्य सुयकअनिकनयनल यनरुनिरुन जनअयनमुखवा ॥ ॥
गवति ॥ नानायनगनमानमा कमलनयनकमलायगिकभव यनमवृक्ष ननमा ॥
महगिनिधनलयकुलकावन यूर्णवृक्षननमा ॥ वसुदवनननकैशनिकु
नन सुननिसनीहननमा ॥ करुणअरुनशीर्षकुण्ठनायक दाभादननमा ॥ x
नामकवि ॥ अवादिगकवदिग्वविन्द उमदधविन्दुडिवननरुडुरुनु यानन
अगवदि ॥ वृन्नावनडक्रियितिनगायि कमलवलिअतिदुनि ग्वविन्दुविन्दुविग
रुयकवृत्राग रुमनिसुनति केडागुनि ॥ कालिठ उडक्रियितिलगायि सोभाहि

विस्मिनजायि, यनमानन्दस्वामिजगजिवन, वगनमिलइककायि ॥ ४ गवनिनाग
उधव, कहुइकथभासाकसलनयनसव, कवज्जवदिजइविन, सुन्दनगवया
लवदनदशविन्, कवनरुभमनयिने ॥ रुनिविन्वांदनचांदज्जननसम
गन्ननसाकावयविन, वज्जवनितासवइखितरुयिदय, निनदयस्याससविन
सम्पत्तर्गसंगमाधवकि, जिवननरुमयधिन, यनमानन्दस्वामिसडाक
हिदइ, यिननजानअरुनि ॥ ५ ॥ कदाग ॥ रुनिविन्कवनजाननायिड, कधि
नथायितदयउयउल, रुदयकुचविचसाउ ॥ कासुग ॥ गदिननराकस
नततहिभावनकन, अरुसुखकसलेडस, तसनविपतिरुमान ॥ पधडाइतन
यानधक, नरुयदहायाम, गयिप्रानरा, गुमिलिरुय, वइनि कवनकास ॥ ना

रिवाकककामवनिषा, लनयस्यामवम, रुनिदासगनकासिखगनल, देहासा
दिनास ॥ ६ ॥ असावनि ॥ नामसादिअयिसिविसालि, अयिसाउलविन्सितध
कितरु, तलयितलविजिवरुनि ॥ मन्अरिमलीनाहुइविन्स्यामइगणि
विन्मलिनचकना, गिनालकनादखिलाउमिगसुननवधे, यानधुनिव
प्रमाना ॥ कहुनुहुवाला, मनवचकमना, अतदिगनलहुसानी, पु
दिअवसनमेरुदरसदेखावरु, यगितयवनवनमालि ॥ ७ ॥ कदाग ॥ उति ॥
नादिननहामनमाधउन, नन्दनननअरुतकस, अनियउनअउन ॥ चलन
चितवनदिवसजागनसवनसवतनाति, रुदयेनेउनुमदनमनति, विनन
यितउतजा ॥ कहुनकेधअनगउधव, लारलोकदेखाय, काहिकनप्रवेय

प्रमयूतक घगनसिन्धुसमान् ॥ स्यामगगनराजज्ञानन, ललितमधुगनिहास
सूत्रञ्जयिसूत्रयकानल, मनगलावनद्यास ॥ ७ ॥ नागबलाउत ॥ ८ ॥ गुरुमणि
जानकनुना, राजानककनयतिरुयति, रुथारुसमकाकुना ॥ कञ्चनका
नडधायामनिल, रुनिविनुजनमड, उनाय ॥ दिनधनग्नानरुभासवनकका
रुथारुगगिवाकुना ॥ सधुउतिमजनवधमन्दलि, जासुगगि कायुना ॥
करुयकविनजा, रुजनवेविन्दहि, नकनुअधकायिसुलान ॥ धनाश्री ॥ ९ ॥
वालक ३ वालकनुयककायि, लयलईवककनरुगगु, निजक, उस्वमनिवलि
वलिजायि ॥ केवइरुषलामिवाधिकनि, उदिनविथागनजायि, लौवनलाग

नन्दलाडिभजननिदडनिजायि ॥ लामिग्वदमूषयनिवृकठुठन, कामागक
ककुषायि, जामागकसादडानिकनि, वधेयाडधलाइ ॥ सुनदासप्रुडदिन
दर्यनिधि, चननककिवलीजाड ॥ १० ॥ धनाश्री ॥ जिवनधनजडवेनदिनवाति, जग
निकलागिगनकासनना, दषइमनरिवियाति ॥ सवभनकुरुनकनजा
जागवइरिषाति ॥ असिभृनुगुकिनायि, उयडगविनसतजाति ॥ नदि
धनमरिसुगनरियनिपीथि, करुदुनिदासनगुनि ॥ ११ ॥ धनाश्री ॥ १२ ॥
चलरुविइगगुडयिष, उयवनाजाकगुरुकाकाकाडवेन, जासुआ
दलरावनयायिय ॥ उककनगुगुसुसवजूरिमानि, सवाकासुनक

निय. उतिष्ठरुमहकिवन्दनि. त्रियाकहनुयुतु ज्ञापिय ॥ चननयवनिबनना
दकलिक. उतिपलंगविकायिन. विनवनरि. नहिअवदनइलावत. राजनका
सकनयिन ॥ जपनवकुनिआलकानिनाषड. सडुवासागअमयिय. दा
सिकसुगगृहल. जनकनिय. जादवलानलजायिय. सुनदामरगताकि
वासिकसव. संगहि. लथविकायिय ॥ **कंदाना** ॥ माइवलजानुदेककायिय
हाडुववाग. हाइकरनिया. नुनयननि. लालवर्लया. लहा. वनमालाकलिल
हा. नियनन. निजुधन ॥ माहि. वडि. शवाल. संगति. सवइतिगया. देहिमात्रि
सवलिक. मडुकि. न. नि. ज. धन ॥ ज्वन. स. स. कलि. का. कहुत. स. व. वा. न. न. न. ज.

नरुगवानयुमु, लिङ्गादाननिवात ॥ कदागा ॥ मूषकविदधूनन्दधननि, श
नदनिमिक्कज्जसुज्जगतीन ॐ न्दुज्जरा रुननि ॥ ललितधुव्याललावन
लालज्जसुधननि मानइवाविद्विथकिविद्वम, यनवनवसयननि ॥
केनकमनिमनसकनकुल, अतिङ्गमगकननि, मिठभावनमनइज्ज
नवलगतिदाउतननि ॥ कटिलकुलसधुयमिलिमाना, किथायाहठलन
नि, वदनकानिदिलाकिमारा, सुकेसूननवनेनि ॥ कदागा ॥ विठवनेतुनाह
मप्रमिन रुनिउताविद्वगधा, मज्झादधिकित ॥ कहुसूनगसधससुदनि, गव
नमायएकिक्क, कुतिकुद्रावनि, चननज्जुवि, पनियलतेनरुन ॥ वद्विउति

11817

[illegible]

[illegible][illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥
 अर्जुन उवाच ॥
 द्रुपद उवाच ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे
 समवेता युयुत्सवः
 मामकाः पाण्डवाश्चैव
 किमकुर्वत साज्जय ॥

[illegible][illegible]

五世

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ २ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ३ ॥
 दृष्ट्वा तु पाण्डुपुत्रोत्तमायुधं ॥ ४ ॥
 अस्त्रं च तस्मात्पुण्ड्रकेन ॥ ५ ॥
 धृष्टकेतुश्च द्रुपदश्च वीर्यवान् ॥ ६ ॥
 भीमार्जुनसमा युधि ॥ ७ ॥
 युत्तमांस्तपसवित्तमः ॥ ८ ॥
 अथ द्रुपद उवाच ॥ ९ ॥
 पाण्डवस्यैव तव हृदि ॥ १० ॥
 भवति कुरुक्षेत्रे समवेता ॥ ११ ॥
 युयुत्सवः पाण्डवो ह्यव्ययः ॥ १२ ॥
 अथ भीम उवाच ॥ १३ ॥
 पाण्डवस्यैव तव हृदि ॥ १४ ॥
 भवति कुरुक्षेत्रे समवेता ॥ १५ ॥
 युयुत्सवः पाण्डवो ह्यव्ययः ॥ १६ ॥

81 5 M 28 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31 32 33 34 35 36 37 38 39 40 41 42 43 44 45 46 47 48 49 50 51 52 53 54 55 56 57 58 59 60 61 62 63 64 65 66 67 68 69 70 71 72 73 74 75 76 77 78 79 80 81 82 83 84 85 86 87 88 89 90 91 92 93 94 95 96 97 98 99 100 101 102 103 104 105 106 107 108 109 110 111 112 113 114 115 116 117 118 119 120 121 122 123 124 125 126 127 128 129 130 131 132 133 134 135 136 137 138 139 140 141 142 143 144 145 146 147 148 149 150 151 152 153 154 155 156 157 158 159 160 161 162 163 164 165 166 167 168 169 170 171 172 173 174 175 176 177 178 179 180 181 182 183 184 185 186 187 188 189 190 191 192 193 194 195 196 197 198 199 200 201 202 203 204 205 206 207 208 209 210 211 212 213 214 215 216 217 218 219 220 221 222 223 224 225 226 227 228 229 230 231 232 233 234 235 236 237 238 239 240 241 242 243 244 245 246 247 248 249 250 251 252 253 254 255 256 257 258 259 260 261 262 263 264 265 266 267 268 269 270 271 272 273 274 275 276 277 278 279 280 281 282 283 284 285 286 287 288 289 290 291 292 293 294 295 296 297 298 299 300 301 302 303 304 305 306 307 308 309 310 311 312 313 314 315 316 317 318 319 320 321 322 323 324 325 326 327 328 329 330 331 332 333 334 335 336 337 338 339 340 341 342 343 344 345 346 347 348 349 350 351 352 353 354 355 356 357 358 359 360 361 362 363 364 365 366 367 368 369 370 371 372 373 374 375 376 377 378 379 380 381 382 383 384 385 386 387 388 389 390 391 392 393 394 395 396 397 398 399 400 401 402 403 404 405 406 407 408 409 410 411 412 413 414 415 416 417 418 419 420 421 422 423 424 425 426 427 428 429 430 431 432 433 434 435 436 437 438 439 440 441 442 443 444 445 446 447 448 449 450 451 452 453 454 455 456 457 458 459 460 461 462 463 464 465 466 467 468 469 470 471 472 473 474 475 476 477 478 479 480 481 482 483 484 485 486 487 488 489 490 491 492 493 494 495 496 497 498 499 500 501 502 503 504 505 506 507 508 509 510 511 512 513 514 515 516 517 518 519 520 521 522 523 524 525 526 527 528 529 530 531 532 533 534 535 536 537 538 539 540 541 542 543 544 545 546 547 548 549 550 551 552 553 554 555 556 557 558 559 560 561 562 563 564 565 566 567 568 569 570 571 572 573 574 575 576 577 578 579 580 581 582 583 584 585 586 587 588 589 590 591 592 593 594 595 596 597 598 599 600 601 602 603 604 605 606 607 608 609 610 611 612 613 614 615 616 617 618 619 620 621 622 623 624 625 626 627 628 629 630 631 632 633 634 635 636 637 638 639 640 641 642 643 644 645 646 647 648 649 650 651 652 653 654 655 656 657 658 659 660 661 662 663 664 665 666 667 668 669 670 671 672 673 674 675 676 677 678 679 680 681 682 683 684 685 686 687 688 689 690 691 692 693 694 695 696 697 698 699 700 701 702 703 704 705 706 707 708 709 710 711 712 713 714 715 716 717 718 719 720 721 722 723 724 725 726 727 728 729 730 731 732 733 734 735 736 737 738 739 740 741 742 743 744 745 746 747 748 749 750 751 752 753 754 755 756 757 758 759 760 761 762 763 764 765 766 767 768 769 770 771 772 773 774 775 776 777 778 779 780 781 782 783 784 785 786 787 788 789 790 791 792 793 794 795 796 797 798 799 800 801 802 803 804 805 806 807 808 809 810 811 812 813 814 815 816 817 818 819 820 821 822 823 824 825 826 827 828 829 830 831 832 833 834 835 836 837 838 839 840 841 842 843 844 845 846 847 848 849 850 851 852 853 854 855 856 857 858 859 860 861 862 863 864 865 866 867 868 869 870 871 872 873 874 875 876 877 878 879 880 881 882 883 884 885 886 887 888 889 890 891 892 893 894 895 896 897 898 899 900 901 902 903 904 905 906 907 908 909 910 911 912 913 914 915 916 917 918 919 920 921 922 923 924 925 926 927 928 929 930 931 932 933 934 935 936 937 938 939 940 941 942 943 944 945 946 947 948 949 950 951 952 953 954 955 956 957 958 959 960 961 962 963 964 965 966 967 968 969 970 971 972 973 974 975 976 977 978 979 980 981 982 983 984 985 986 987 988 989 990 991 992 993 994 995 996 997 998 999 1000 1001 1002 1003 1004 1005 1006 1007 1008 1009 1010 1011 1012 1013 1014 1015 1016 1017 1018 1019 1020 1021 1022 1023 1024 1025 1026 1027 1028 1029 1030 1031 1032 1033 1034 1035 1036 1037 1038 1039 1040 1041 1042 1043 1044 1045

11 11 11 11 11 x

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ २ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ३ ॥
 द्रुपद उवाच ॥ ४ ॥
 भीमार्जुनसंवादे ॥ ५ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ६ ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे ॥ ७ ॥
 समवेता युयुत्सवः ॥ ८ ॥
 मामकाः पाण्डवाश्चैव ॥ ९ ॥
 तस्यैव कुरुक्षेत्रे ॥ १० ॥
 समवेता युयुत्सवः ॥ ११ ॥
 मामकाः पाण्डवाश्चैव ॥ १२ ॥
 तस्यैव कुरुक्षेत्रे ॥ १३ ॥
 समवेता युयुत्सवः ॥ १४ ॥
 मामकाः पाण्डवाश्चैव ॥ १५ ॥
 तस्यैव कुरुक्षेत्रे ॥ १६ ॥
 समवेता युयुत्सवः ॥ १७ ॥
 मामकाः पाण्डवाश्चैव ॥ १८ ॥
 तस्यैव कुरुक्षेत्रे ॥ १९ ॥
 समवेता युयुत्सवः ॥ २० ॥
 मामकाः पाण्डवाश्चैव ॥ २१ ॥
 तस्यैव कुरुक्षेत्रे ॥ २२ ॥
 समवेता युयुत्सवः ॥ २३ ॥
 मामकाः पाण्डवाश्चैव ॥ २४ ॥
 तस्यैव कुरुक्षेत्रे ॥ २५ ॥
 समवेता युयुत्सवः ॥ २६ ॥
 मामकाः पाण्डवाश्चैव ॥ २७ ॥
 तस्यैव कुरुक्षेत्रे ॥ २८ ॥
 समवेता युयुत्सवः ॥ २९ ॥
 मामकाः पाण्डवाश्चैव ॥ ३० ॥